VIDEO Play

AUDIO

भजन

तर्ज– कर चले हम फिदा जानो तन

हादी के कदमों पर अब चलें साथियो
जाग कर जागनी अब करें साथियो

1– छल कपट की दुनियां में आ ही गये
खेल घर जैसा है धोखा खा ही गये
तोड़ बंधन चलें अपने घर साथियो

2– आए हमको जगाने जागनी रत्न
बिछुड़ी रूहों का आकर कराया मिलन
मिलके धाम धनी संग चलें साथियो

3– वादा धाम का पूरा करना हमें
भूल जाऊं अगर तुम बताना हमें
दूर नफरत दिलों की करें साथियो

4– अपना इक है धनी अपना इक है वतन
हम अर्श की रूहों का इक है खसम
एक है एक होकर चलें साथियो